

मोक्ष्य वि. (तत्.) 1. जो मोक्ष के योग्य हो 2. जो बंधन से मुक्त हो सकता है 3. जो धार्मिक दृष्टि से मुक्ति पाने का अधिकारी हो।

मोख पुं. (तद्.) मोक्ष।

मोखा पुं. (तद्.) 1. दीवार या छत आदि में बना रोशनदान, गवाक्ष, झरोखा 2. ताखा 3. एक तरह का वृक्ष।

मोगरा पुं. (तद्.) 1. उत्तम जाति का सुगंधित फूलों वाला बेले का वृक्ष 2. व्यायाम के लिए काठ का बना एक विशेष उपकरण, मुद्गर।

मोगल पुं. (देश.) मुगल।

मोगली स्त्री. (देश.) एक जंगली वृक्ष।

मोघ वि. (तत्.) 1. व्यर्थ, निष्फल 2. जो पदार्थ या वस्तु उपयोग के योग्य न हो 3. निरुद्देश्य।

मोघपुष्पा स्त्री. (तत्.) बंध्या स्त्री, बाँझ।

मोघिया स्त्री. (देश.) मजबूत, मोटी व चौड़ी नरिया जो खपरेली छाजन (छाने) के समय बँडरें पर मँगरा बाँधने के काम आती है।

मोघ्य वि. (तत्.) 1. निष्प्रयोज्य 2. विफलता 3. असाफल्य 4. नाकामयाबी।

मोच पुं. (तत्.) 1. सेमल का पेड़ 2. पाठरवृक्ष 3. केला स्त्री. अचानक झटका या धक्का लगने से शरीर के किसी अंग के जोड़ की नस का अपने स्थान से कुछ हट जाना जिससे उस स्थान में सूजन हो जाती है तथा बहुत अधिक दर्द होता है।

मोचक वि. (तत्.) 1. बंधन, कष्ट आदि से छुटकारा दिलाने वाला 2. हरण करने वाला पुं. 1. सेमल का पेड़ 2. केला 3. वह संन्यासी जो विषय वासनाओं से मुक्त हो चुका हो।

मोचन पुं. (तत्.) बंधन, कष्ट आदि से छुड़ाना 2. दूर करना, हटाना जैसे- संकटमोचन 3. ले लेना, हरण करना।

मोचना स.क्रि. (तद्.) 1. मुक्त करना 2. छोड़ना या छुड़ाना 3. बाहर निकालना 4. गिरना पुं. 1.

लोहारों का लोहे के छोटे-छोटे टुकड़े उठाने का औजार 2. हज्जामों की बाल उखाड़ने की चिमटी 3. ऋण मुक्त होने की क्रिया या भाव जैसे- ऋण मोचन।

मोचनी स्त्री. (तत्.) भटकटैया।

मोचयिता वि. (तत्.) छुटकारा देने या छुटकारा दिलाने वाला।

मोचरस पुं. (तत्.) सेमल वृक्ष का गोंद।

मोचा स्त्री. (तत्.) 1. नील का पौधा 2. केला 3. रुई का पौधा पुं. सहिंजन का पेड़ जिसकी फलियाँ औषधि मूलक होती हैं।

मोचाट पुं. (तत्.) 1. केले की पेड़ी के मध्य का कोमल भाग, केले का गाभ 2. केला।

मोची वि. (तत्.) 1. छुड़ाने वाला 2. दूर करने वाला पुं. 1. चमड़े के जूते आदि बनाने का व्यवसाय करने वाला 2. जूते गाँठने या सीने वाला व्यक्ति जो पारंपरिक व्यवसायी होता है, चर्मकार, चमार।

मोच्छ पुं. (तद्.) मोक्ष।

मोछ स्त्री. (देश.) मूँछ पुं. मोक्ष।

मोजड़ा पुं. (देश.) जूता, मोजड़ी।

मोजरा पुं. (अर.) 1. विनम्रतापूर्वक झुक कर किया गया अभिवादन 2. नृत्य बिना गान 3. वेश्या द्वारा बैठ कर किया जाने वाला गायन, मुजरा।

मोजा पुं. (फा.) 1. महीन सूत या ऊन का बना पैरों में पहनने का एक सामान्य परिधान या आवरण; जुराब 3. पैर में पिंडली के नीचे का वह भाग जो गिट्टे के आस पास और उसके कुछ ऊपर होता है और जिस पर यह आवरण पहना जाता है 3. कुश्ती का एक पेंच जिसमें विपक्षी को जमीन पर गिराकर उसके पैर का उक्त अंग पकड़कर उसे चित्त किया जाता है।

मोजिजा पुं. (अर.) कोई अद्भूत दैवी चमत्कार।